.SHRI A. NEELALOHITHADASAN NADAR: Sir, some of the relief measure were demanded by all those concerned with this industry and they were being taken by . Government. But, from the statement given by the hon. Minister in reply to Question No. 290 it is seen that still there is this crisis affecting the tea industry. There is also a decline in tea production. In the light of these facts, will the Minister be pleased to tell us what were the relief measures demanded in this connection?

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Sir, if the hon. Member reads all the demands he will not himself agree that all these demands should be met. It is not possible. The industry may have a series of demands. .We also consider what should be done about them. What ever is possible on the part of Government is done. I have categorised the demands. Seven demands were placed. for the fulfilment by the Government of India and six by the State Government. Some of them have already been complied with. But if the hon. Member analyses all these demands, he will find that these will affect the revenue-earning of the State Governments - therefore, while extending relief to one particular sector of the economy, they will have to take into account what will be the total, overall, implications. So, whatever is possible they have already done. Some of them are in the process of being done, some have already been implemented. It is not possible to concede all the demands. and as I have already explained, the decline in tea production is mainly because of the weather conditions.

From September onwards, the production had started picking up. From the statement which I have given in reply to an earlier question, the hon. Member will himself find that according to our estimation, we went in for the projected growth and we wanted be have about 610 million K. Gs. This is in the Planning Commission's document. The overall production at the end of the Year may not be less than that of the last year, is was 574 million K.Gs.

एयर इण्डिया के बड़े कार्यकारी अधिकारियों पर व्यय

*293. **श्री मूल चन्द डागा** : क्या **पर्यटन और नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विदेशों के दौरों पर जाने वाले एयर इंडिया के बड़े कार्यकारी अधिकारियों पर व्यय में 1976-77, 1977-78 और 1978-79 के दौरान लगातार वृद्धि हुई है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और यह वृद्धि कितनी हुई है ;

(ख) क्या सरकार का विचार इस व्यय में कमी करने का है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) क्या यह सच है कि उक्त अधिकारी खाने-पीने और क्लबों की अत्यधिक फीस अदा करने पर व्यय करते हैं ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI CHANDULAL CHANDRAKAR): (a) and (b). The expenditure on duty tours abroad by Senior officials of Air India (of the rank of departmental heads and above) for the years 1976-77, 1977-78 and 1978-79 is as under:

	Rs.
1976-77	1,24,628/-
1977-78	33,352/-
1978-79	1,53,555/-

There had been an increase in the number of tours in 1978-79, commercial ted by the operational/commercial needs of the Corporation. Government

has issued instructions to Public Sector Undertakings in general, to reduce the expenditure on foreign tours.

(c) No, Sir.

श्री मूल चन्द डागा : अध्यक्ष जी, जवाब बड़ी खूबसूरती से दिया है, लेकिन कब तक छिप सकता है । आप मेहरबानी करके यह बताइये 1,24,428 रु० खर्च हुआ; फिर आपने खर्चा बढ़ा दिया, 1,53,555 रु० । मैं पूछना चाहता हूं कि जो सीनियर अफसर एयर इंडिया के आकाश में उड़ते हैं वह वहां पर जा कर डी०ए०, होटल किराया, क्लब के अन्दर ऐंटरटेनमेंट के लिये जाते हैं क्या ? और किस आधार पर मिलता है उनको ? क्या सेन्ट्रल गवर्नमेंट ने जो रेट्स फिक्स कर दिये हैं उनके आधार पर मिलता है, या कभी आपने फाइनेंस डिपार्टमेंट की इस बात पर एप्रूवल ली है, जैसा कि पी०यू०सी० ने कहा है ? या उससे ज्यादा देते हैं; और किस आधार पर देते हैं ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री अनन्त प्रसाद शर्मा) : जहां तक एयर इंण्डिया के सीनियर आफिसर्स बाहर जाते हैं और उनको टी०ए० और डी०ए० मिलने का सवाल है वह आलरेडी सरकार द्वारा तय किया हुआ है, कारपोरेशन द्वारा तय किया हुआ है, उसके मुताबिक मिलता है । हमारे पास हर आफिसर का डेली टी०ए० और डी०ए० का रेट हर कैटेगरी का नहीं है । अगर माननीय सदस्य चाहेंगे तो सभा पटल पर रख दूंगा ।

जहां तक उनके बाहर जाने पर एंटरटेनमेंट का सवाल है जो आफिशियल्स टूर पर बाहर जाते हैं सिवाय टी०ए० डी०ए० के और कोई खर्चा एंटरटेनमेंट वगैरह नहीं होता है ।

श्री मूल चन्द डागा : मैं ने जो सवाल किया उसका जवाब नहीं आया । होटल ऐकोमोडेशन और दैनिक भत्ता उनको क्या मिलता है और जो पी०यू०सी० ने कहा है इस बारे में तो 21 महीने के बाद भी आपने ऐप्रूवल नहीं ली है ।

The views of the Ministry of Finance have not yet been taken for Air India to assure itself that no violation of law is involved.

यह लेटेस्ट रिपोर्ट है 1980–81 की सातवीं लोक सभा की । तो मैं जानना चाहता हूं क्या देते हैं और क्या नियम हैं ? और फाइनेंस डिपार्टमेंट से आपने 21 महीने तक क्यों नहीं ऐप्रूवल ली ?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : म ने पहले ही कहा है कि हर कैटेगरी के जो आफिशियल्स हैं उनके टी०ए०, डी०ए० का क्या रेट...

अध्यक्ष महोदय : कितना है बता दीजिये ।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : मेरे पास नहीं है । सभा पटल पर रख दूंगा ।

श्री मूल चन्द डागा : फाइनेंस डिपार्टमेंट की ऐप्रूवल क्यों नहीं ली, जब कि रिपोर्ट में साफ कहा है कि :

"The Committee regret that the views of the Ministry of Finance have not yet been taken for the Air India to assure itself that no violation of law is involved in the present system of payment of lay-over allowance to the crew, as suggested by the Committee. It should be noted that the Report of he Committee was presented in April, 1979 and the matter has already been delayed for more than 21 months".

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : जैसा मैंने कहा टी०ए०, डी०ए० का जहां तक सवाल है, टी०ए०, डी०ए० रुल पहले से निश्चित रहते हैं और मने कहा सरकार द्वारा ऐप्रूव किये होते हैं, उनकी सभा पटल पर मैं रख दूंगा हर कैटेगरी के अफसर को कितना मिलता है और किस रेट आफ होटल के वह ऐन्टाइटिल्ड हैं . . . .

अध्यक्ष महोदय : वह फाइनेंस डिपार्टमेंट की बात कर रहे हैं ।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : दूसरी बात इन्होंने कमेटी के ऑबजर्वेशन्स के सम्बन्ध में कही है । कमेटी के ऑबजर्वेशन्स को गवर्नमेंट आफ इंडिया ने नोट किया और उसके सम्बन्ध में कमेटी की रिपोर्ट के ऊपर जवाब भेज दिया है ।

अध्यक्ष महोदय : श्री राम विलास पासवान ।

श्री मूल चन्द डागा : अध्यक्ष महोदय, यह तो मेरे पहले क्वैश्चयन का ही जवाब था ।

MR. SPEAKER: That is all; do not try to monopolise

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष महोदय, अभी जो मंत्री महोदय ने जवाब दिया है; यह सब माननीय सदस्य जानते हैं । जो भी पब्लिक अंडरटेकिंग का काम चल रहा है; इसके सम्बन्ध में आपने भी नोट किया है और मंत्री महोदय भी इस बात को जानते हैं । इन्होंने अपने पूरे जवाब में दिया है कि सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्रीय उद्यमों को सामान्य रूप से निर्देश जारी किए हैं कि वे अपने विदेशों के दौरों के खर्च में कटौती करें; जब जब सरकार बनती है और कोई प्रश्न पूछा जाता है तो यह जवाब दे दिया जाता है लेकिन उसके बावजूद भी खर्च की कोई सीमा नहीं है, न इसमें कटौती होती है । यह खर्च की सीमा सिर्फ सदस्यों पर लागू हो सकती है, लेकिन जो सरकारी अधिकारी हैं, उन पर कभी लागू नहीं होती । मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि ये अधिकारी लोग विदेशों में सिर्फ एंटरटेनमेंट के लिये जाते हैं या काम करने जाते हैं ?

क्या मंत्री महोदय यह भी बतायेंगे कि जो निर्देश जारी किये हैं, उसके बाद 1980–81 में इन विदेशों के दौरे पर कितना खर्चा हुआ है और विदेश जाने के क्या नियम हैं और आपके निर्देशों का क्या असर हुआ है ?

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रश्न के आखिरी हिस्से से अपना जवाब प्रारम्भ करना चाहता हूं । 1980–81 का खर्च पूछा नहीं गया था; लेकिन 1980–81 का खर्च आप जानना चाहते हैं, मैं सभा पटल पर रख दूंगा ।

दूसरी बात सदस्य ने पूछी कि ये लोग सैर करने जाते हैं, या काम करने के लिये जाते हैं, इसकी एक फहरिस्त है, उसे मैं पढ़कर सुना देता हूं—
Purposes for which it becomes necessary to undertake tours:

(i) To ensure that our online and offline offices are functioning efficiently and economically from the operational, commercial and engineering angle;

(ii) To attend to periodical sales conferences which are held with a view to increasing the sales and also discuss the various problems faced by the region;

(iii) Air India is an active member of IATA and it has to participate in several important IATA conferences and committee meetings such as Traffic Conferences, Financial, Technical; Cost and Scheduling Committee Meetings etc;

(iv) To attend bilateral and pool meetings and as members of Government delegation for bilateral negotiations;

(v) To investigate into certain special problems/areas like arrangement for special flights catering arrangements, handling arrangements, market surveys etc.;

(vi) To attend to security problems and vigilance matters;

(vii) To attend to and settling problems relating to local staff and negotiations with the local Unions in various online/offline points in the system.

These are the purposes for which these officials go on foreign tours.

श्री राम विलास पासवान : मैंने पूछा है कि सरकार ने जो निर्देश जारी किये हैं, उनका क्या असर हुआ है ? सरकार निर्देश जारी करती है, लेकिन...

अध्यक्ष महोदय : 1980-81 का खर्च आपके सामने रख देंगे ।

श्री राम विलास पासवान : खाली इतना ही बता दें कि क्या हुआ है या अधिक हुआ है ?

अध्यक्ष महोदय : उसी में आ जायेगा ।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा : आप देख लीजियेगा ।

DR. KARAN SINGH: Sir, aviation is a very highly competitive business particularly in the modern world, and if Air India has to keep up with the other airlines of the world, it has got to maintain certain dynamism and flexibility in its operations. The Minister has pointed out certain occasions when the officials have to go abroad. But in reply to the basic question, he said that no entertainment allowance is sanctioned for these officials who go abroad, if I understood him correctly. As far as I know, there are legitimate entertainment requirements when you go abroad. For example, the travel agents or the travel promoters bring us hundreds of thousands of tourists and millions and crores of rupees in foreign exchange. Am I to understand from the Minister that they are depriving their officers of their legitimate entertainment expenses also?

SHRI A. P. SHARMA: In answer to the main question, I have said that whenever these officers go on duty, they are entitled to privileges and benefits like T.A., D.A. and the hotel accommodation. I have not said that if they go to negotiate business, they do not spent on entertainment on such occasions, but that is subject to the control and supervision of the Air India Corporation and its Board.

Supply of Coal to Bokaro Steel Plant and Rourkela Steel Plant

+

*294. SHRI AJIT KUMAR SAHA:
SHRI GADADHAR SAHA:

Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether the steady deterioration in the plasticity and petrography of the coal supplied to the Bokaro and Rourkala Steel Plants is hitting productivity and resulting in rise in cost of inputs;

(b) if so, the steps taken to ensure steady supply of good quality of coal to these plants; and

(c) if not, the reasons thereof?